भाकृअनुप ICAR

f d l ku fuf/k

DKVAAS

df"k ikj ekxnf'kdk

www.kvkraisenzpdvii.org

vad&38 df"k foKku dUnz] jk; lu ¼e-i-½ tuojh&ekp] 2021

5 वर्षों मे दोगुनी आय (2015–16 के मूल्य सूचकांक पर)

क्र.	विवरण	आय में बढ़ोत्तरी
1	खेती की लागत में कमी	15 %
2	उत्पादकता में वृद्धि	30%
3	कृषि क्षेत्र विस्तार	14%
4	कृषि विविधिकरण	20%
5	कटाई उपरांत हानि में कमी	6%
6	विपणन व्यवस्था	15%

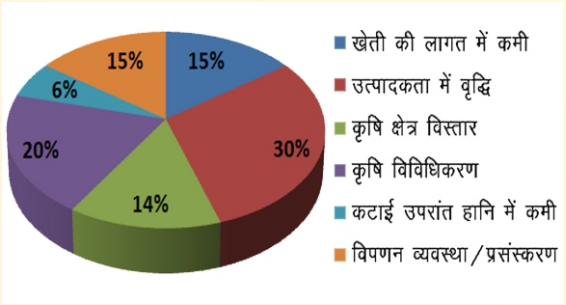

किसानों की आय दोगुनी करने की तकनीकी

1. खेती की लागत में कमी

अ) बीज

- अनुशंसित बीज दर।
- बीज की ग्रेडिंग।
- बीज का अंकुरण परीक्षण।
- बीज का फफूंदनाशक द्वारा उपचार।
- बीज का जीवाणुं टीकाकरण।
- स्वयं के स्तर पर बीज उत्पादन।
- बुवाई हेतु रिज एंड फरो पद्धति का उपयोग।
- बुवाई हेतु रेज्ड बैड पद्धति का उपयोग।

ब) उर्वरक

- मिट्टी परीक्षण।
- मृदा स्वास्थ कार्ड के आधार पर अनुशंसित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग।
- जैव उर्वरकों का उपयोग।
- जैविक खाद का उपयोग।

स) कृषि यंत्रीकरण

- रोटावेटर से जुताई कार्य।
- रबी में जीरो टिलेज सीड ड्रिल से बुवाई।
- बुवाई हेतु सीड कम फर्टी ड्रिल का उपयोग।
- रीपर कमबाइंडर से कटाई।

द) एकीकृत कीट व रोग नियंत्रण

- टी आकार की खूंटी का उपयोग।
- फेरोमेन ट्रैप का उपयोग।
- नीम तेल व जैविक कीटनाशक का उपयोग।
- प्रकाश प्रपंच का उपयोग।
- अनुशंसित मात्रा में कीटनाशकों का उपयोग।

2. उत्पादकता में वृद्धि–

- बीज प्रतिस्थापना दर में वृद्धि।
- नवीनतम किस्मों का उपयोग।
- प्रमाणित व आधार बीजों का उपयोग।
- रिज एवं फरो तकनीकी अपनायें।
- रेज्ड बेड तकनीकी अपनायें।
- सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग।

3. कृषि क्षेत्र विस्तार–

- प्रोडयूसर कम्पनी की संख्या को बढ़ाना।
- दलहनी फसलों का क्षेत्र विस्तार।
- तिलहनी फसलों का क्षेत्र विस्तार।
- नकदी फसलों का क्षेत्र विस्तार।
- ग्रीष्मकालीन मूंग व उड़द का क्षेत्र विस्तार।

4. कृषि विविधीकरण–

- खरीफ में मक्का, मीठी मक्का, अरंडी व तुलसी की खेती।
- खरीफ में अदरक व प्याज की खेती।
- खरीफ में सिट्रोनेला व पामारोजा की खेती।
- रबी में लहसुन, धनिया व कलौंजी की खेती।
- कृषि वानिकी विस्तार।

5. फसल कटाई उपरांत हानि कम करना–

- फसल कटाई हेतु उन्नत कृषि यंत्रों का उपयोग।
- कृषि उत्पाद का श्रेणीकरण।
- भण्डारण हेतु वेयरहाऊस का प्रयोग।
- मूल्य संवर्धन गतिविधियां।

lj{k.k%
Jkh vthr [k.Myoky
lfpo] Mhdokl] Hkkiky
ijke%k
Mk- ,l-vkj-d- flg
fun'kd ¼dk;dkjh½]
df"k rduhdh vui;kx vuqla/kku lLFkku]
tku& IX] tcyij ¼e-i-½

likn d eMy %
Mk- Lofluy nc
ofj"B oKkfud ,o ie[k
ekc- 9826499725
Jkh jthr flg jk?ko
oKkfud ¼enk foKku½
ekc- 7694959911
d- y{eh pØorh
oKkfud ½xg foKku½
ekc- 9926474968
Jkh inhi dekj f}onh
oKkfud ¼ik/k lj{k.k½
ekc- 7748084999
Mk- edy dekj
oKkfud ¼m|kfud½
ekc- 9826169890
Jkh vkykd l;o'kh
oKkfud ¼df"k ikj½
ekc- 9424947778
Jkh c°ek uUn 'kDyk
oKkfud ¼eRL; foKku½
ekc- 9452302530
Mk- v'keku xlrk
dk;Øe lgk;d ¼i'kikyu½
ekc- 9826047644
Jkh luhy dFkokl
i{k= ic/kd
ekc- 9893446148
Jkh idt Hkkxo
dk;Øe lgk;d ¼dEI;Vj½
ekc- 9893009725

lk;kchu mRiknu dh e< ukyh i)fr

eM ukyh i)fr l cokb& eM ukyh i)fr l lhM fMy e'khu }kjk fufer ry@eM ij ek= ,d drkj e lk;kchu dh cokb dh tkrh gA vFkkr iR;d lk;kchu dh drkj d ckn ,d ukyh cuk;h tkrh gA

jTM&cM i)fr l cokb& jTM&cM i)fr e VDVj pfyr jTM&cM lykVj }kjk fufer mHkj ry@eM ij nk drkjk e lk;kchu dh cokb dh tkrh g vFkkr nk lk;kchu dh drkj d ckn ,d ukyh gkrh gA

ykHk&

1- bu i)fr dk mi;kx dju l ukyh dk fuek.k l vo"kk dh fLFkfr e ueh dk lp; rFkk vfr o"kk dh fLFkfr e [kr l vfrfjDr ty dh fudkl h gkrh gA

2- bu i)fr;k dk mi;kx dju l Mh-,-ih-] ikVk'k] ftd lYQV vkfn mojdk dh fu/kkfjr ek=k cht d fcYdy uhp lefpr xgjkb ij pyh tkrh g ftl l mojd mi;kx dh {kerk c< tkrh g o mRiknu vf/kd feyrk gA

/kku dh l/kh cokb rduhd

- इस तकनीक से बुवाई हेतु सुगंधित किस्म – पूसा–1509, पूसा–1121, पूसा–1460, पूसा–1637 व असुगंधित किस्म– आई.आर.–36, आई.आर.–64, क्रांती, एम.टी.यू.–1010 किस्मों का चयन करें।
- धान की बुवाई हेतु सामान्य सीड ड्रिल या जीरो टिलेज सीड ड्रिल का उपयोग करें व बीज दर 30–40 किग्रा/हैक्टेयर की दर से उपयोग करें।
- बीज की सीड ड्रिल से बुवाई हेतु कतार से कतार की दूरी– 20 सेंमी व बीज की गहराई 2–3 सेंमी रखें।
- cku dk le;& खेत के ढेले फोड़कर खेत तैयार कर सूखे में बोनी मानसून आने से पहले या मानसून आने के बाद नमी युक्त अवस्था में बीज की बुवाई।
- mojd& धान की सीधी बुवाई हेतु नत्रजनःस्फुरःपोटाश 80:40:30 किग्रा/हैक्टेयर का उपयोग करें। खेत की तैयारी के समय म्यूरेट ऑफ पोटाश 50 किग्रा/हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें, बुवाई के समय डीएपी 100 किग्रा/हैक्टेयर व यूरिया 150 किग्रा/हैक्टेयर कुल मात्रा 3–4 बार में खेत में डालें।
- [kjirokj fu;=.k& धान की बुवाई के 2–3 दिन के अन्दर प्रेटीलाक्लोर 50 ई.सी. मात्रा 1.5 लीटर/है. या पाइराइजोसल्फ्यूरॉन 10 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. 200 ग्राम/हैक्टेयर दवा का छिड़काव अवश्य करें।

thjk fVy t rduhd

/kku dh iNrh Qly dh dVkb d mijkr [kr e le; ij xg dh ckuh d fy; le; ugh cprk vkj [kr] [kkyh NkMu d vykok fdlku d ikl fodYi ugh cprk ,l h n'kk e ,d fo'k"k idkj l cuk;h x;h cht ,o [kkn fMy e'khu l xg dh cokb dh tk ldrh gA

ykHk&

* thjk fVy t e'khu dk mi;kx dj xg dh cokb 10&12 fnu igy dh tk ldrh gA
* ijEijkxr fof/k dh vi{kk t thjk fVy t fof/k l xg dh cokb dju l cht dk vdj.k vf/kd ,o 2&3 fnu igy gk tkrk gA
* de le; e vf/kd {k=Qy dh cokb le; ij dh tk ldrh gA
* bl fof/k l xg dh cokb dju ij igyh flpkb l leku :i l ikuh yx tkrk g rFkk 20&30 ifr'kr ikuh dh cpr gkrh gA

[kjhQ l;k t mRiknu rduhd%&

mUur fdLe%& ukfld& 53] ,xhQkm.M Mkd jM] Hkhek Lkij] Hkhek Mkd jM] vdk ixfrA

cht dh ek=k%&12 l 15 fdxk@gDV;jA

jkik Mkyu dk le;%& eb l tuA

ik/kjki.k dk le;%& 15 tykb l 15 vxLrA

[kkn o mojd%& ,Q-okb-,e-& 200 l 250 fDo@g-

u=tu & 100 fdxkA

LQj & 50 fdxkA

ikVk'k & 50 fdxkA

lYQj & 25 fdxkA

जैविक खेती के घटक

पोषक तत्व प्रबंधन-	जीवांश खाद-	जैविक विधियां-
❖ गोबर की खाद	❖ वर्मी कम्पोस्ट	❖ गौ-मूत्र, छाछ
❖ नाडेप खाद	❖ वर्मी वाश	❖ ट्रेप क्रॉप
❖ भू नाडेप	❖ बायोगैस स्लरी	❖ लाइट ट्रैप
❖ टटिया नाडेप	❖ हरी खाद	❖ फैरोमोन ट्रेप
❖ नाडेप फास्फो कम्पोस्ट	❖ जैव उर्वरक (कल्चर)	❖ एन.पी.व्ही.
	❖ एजोला	❖ ट्राइकोडर्मा विरिडी
	❖ नील हरित काई	❖ व्यूवेरिया बेसियाना

vke dh l?ku ckxokuh rduhd

1- fdLe & vkeikyhA
2- njh & 2-5 eh- x 2-5 eh-A
3- ik/k l[;k & 1600 ik/k@g-A
4- mRiknu & 20 l 22 Vu Qy@g-A
5- 'k) ykHk% :i;s 1]00]000 & 1]30]000 ifr g-A

ve:n dh l?ku ckxokuh rduhd

1- fdLe & bykgkcknh lQnk] y[kuÅ&49
2- njh & 3 eh- x 3eh-A
3- ik/k l[;k & 1]111 ik/k@g-A
4- mRiknu & 16 l 18 Vu Qy@g-A
5- 'k) ykHk% :i;s 72]000 & 86]000 ifr g-A

iihrk dh l?ku ckxokuh rduhd

1- fdLe & ilk MokQ ,o ilk uUgk A
2- njh & 1-25 eh- x 1-25 eh-A
3- ik/k l[;k & 6400 ik/k@g-A
4- mRiknu & 80 l 90 Vu Qy@g-A
5- 'k) ykHk% :i;s 2]75]000 & 3]25]000 ifr g-A

e/keD[kh ikyu vk; dk vfrfjDr lkr

e/keD[kh ikyu D;k \

1. रोजगार एवं आय के साधन हेतु।
2. यह सरल एवं सस्ता उद्योग है।
3. कृषि, उद्यानिकी व वानिकी फसलों में उपज बढ़ाने हेतु।
4. पर्यावरण सुरक्षा एवं पारिस्थितकी विकास हेतु।

e/keD[kh ikyu d çe[k ykHk&

फसल उत्पादन में वृद्धि– ऐसी फसलें जिनमें पर परागण द्वारा निशेचन होता है, शस्य, उद्यानिकी वानिकी फसलों में पर–परागण की क्रिया मधुमक्खी द्वारा होती है जिससे औसतन 15 से 115 प्रतिशत उत्पादन में वृद्धि होती है। मधुमक्खी पालन से शहद उत्पाद के रूप में शहद, रॉयल जैली, पराग, मौना विष, मोम इत्यादि भी प्राप्त होता है।

Hkkjro"k e e/kefD[k;k dh e[;çtkfr;k&

1. एपिस डोरसेटा।
2. एपिस फ्लोरिया।
3. एपिस इंडिका।
4. एपिस मैलीफेरा।

'kM uV gkÅl e ik/k mRiknu

फसल का नाम	पौध रोपाई का समय
अगेती फूल गोभी	20 मई से 20 जून
टमाटर, मिर्च	15 जून से 15 जुलाई
शिमला मिर्च	15 अगस्त से 15 सितम्बर
टमाटर, मिर्च, बेंगन	15 दिसम्बर से 30 दिसम्बर
बेल वाली सब्जियां	25 दिसम्बर से 10 जनबरी

xk; dh Lon'kh M;jh uLy

fxj

- bUg xtjkr d nf{k.k dfB;kokM d fxj txyk d vykok egkjk"V vkj jkt LFkku e ik;k tkrk gA
- Ropk dk ey jx xgj yky ;k pkdyV Hkj jx d /kCc d lkFk lQn ;k dHkh dHkh dkyk ik;k tkrk gA
- gku l ,d ^^vk/kk pkn** fn[kkbZ n jgh g]ft le fofp= ?keko gkrk gA
- nX/k mRiknu çfr 1200&1800 yhVj@O;kr gkrk gA
- ;g uLy viu lkgl vkj jkx çfrjk/k d fy, tkuh tkrh gA

lkghoky

- bl uLy dh mRifRr vfoHkkftr Hkkjr d eWxkejh {k= e gbZ FkhA
- bl uLy dk ykyk ¼<hyh Ropk½] ykch ckj] ekVxkejh] eYrkuh] vkfn ukek l Hkh tkuk tkrk gA
- Ropk gYd yky jx e] dHkh dHkh lQn /kCc d lkFk ikbZ tkrh gA
- bl uLy dh vklr nX/k mRiknu 1400 vkj 2500 yhVj@O;kr d chp gA

Hkl dh M;jh uLy

ejk

- ;g uLy gfj;k.kk ¼fglkj½] itkc vkj fnYyh jkT; e ikbZ tkrh gA ;g Hkl dh lcl egRoi.k uLy gA
- jx vkerkj ij tV dyk dHkh dHkh iN ij lQn fu'kku tkpgj vkj gkFk ijk ij Hkh ik;k tkrk gA
- ?kekonkj lhx bl uLy dk ,d egRoi.k pfj= gA
- Hkkjr e lcl d'ky n/k vkj eD[ku olk mRikndk e ,d gA
- eD[ku olk dh ek=k 7-83 ifr'kr gA vklr nX/k mRiknu 1500 l 2500 yhVj@O;kr gA

Hknkojh

- ;g uLy e[;r% mÙkj çn'k vkj e/; çn'k d Xokfy;j] vkxjk vkj bVkok e ikbZ tkrh gA
- rkck jx bl uLy dh ,d [kkfl;r gA vk[k dh iyd vke rkj ij rkc ;k gYd Hkj jx dh gkrh gA
- vklr nX/k mRiknu 800&1000 yhVj@O;kr gA
- cyk e mPp xeh lgu dh {kerk gA
- n/k e olk dh ek=k 13 çfr'kr rd gkrh gA

jch Q l yk dh mUur fdLe

fl fpr voLFkk le; l cokb

क्र.	किस्म	अवधि (दिन)	उपज (क्वि./है.)
1	पूसा तेजस **(HI-8759)**	**115-120**	**75-80**
2	पूसा मंगल **(HI-8713)**	**115-120**	**60-65**
3	पूसा अनमोल **(HI-8737)**	**115-120**	**60-65**
4	पोषण **(HI-8663)**	**115-120**	**55-60**
5	**GW-322**	**115-120**	**60-62**
6	**GW-451**	**115-120**	**60-65**
7	**JW-1201**	**115-120**	**55-60**
8	पूर्णा **(HI-1544)**	**115-120**	**50-55**
9	**MPO-1215**	**115-120**	**50-55**
10	**MP-3382**	**120-125**	**55-60**

fl fpr voLFkk njh l cokb

क्र.	किस्म	अवधि (दिन)	उपज (क्वि./है.)
1	MP-4010	110-115	40-45
2	MP-1202	110-115	40-45
3	MP-1203	110-115	40-45
4	MP-3336	110-115	40-45

pu dh mUUkr fdLe&

क्र.	किस्म	अवधि (दिन)	उपज (क्वि./है.)
1	जवाहर चना–6	110–120	18–20
2	जवाहर चना–12	110–120	20–22
3	जवाहर चना–14	110–115	20–22
4	जवाहर चना–16	110–120	18–20
5	जवाहर चना–36	115–120	20–22
6	जवाहर चना–63	110–120	20–22
7	आर.व्ही.जी.– 201	95–110	20–25
8	आर.व्ही.जी.– 202	100–105	18–20
9	आर.व्ही.जी.– 203	100–105	18–20

[kjhQ Q l yk dh mUur fdLe

lk;kchu dh vu'kfl r o uohure fdLe

क्र.	किस्म	अनुशंसित वर्ष	पकने की अवधि	उपज (क्विंटल/है.)
1	जे.एस.–335	1994	100	20–25
2	जे.एस.–9305	2002	95	20–25
3	जे.एस.–9560	2007	82–88	18–20
4	जे.एस.–9752	2008	98–102	20–22
5	जे.एस.–2034	2014	86–88	20–22
6	जे.एस.–2029	2014	93–95	20–25
7	जे.एस.–2069	2016	93–95	25–28
8	आर.वी.एस. –2001–4	2014	95–98	25–28
9	आर.वी.एस. –2002–4	2017	92–96	20–22
10	जे.एस.–2098	2017	95–98	25–28
11	जे.एस.–2094	2019	95–98	25–28
12	जे.एस. –20116	2019	100–102	25–28

/kku dh vu'kfl r o mUur fdLe

क्र.	उपयुक्त किस्में	अनुशंसित वर्ष	पकने का समय (दिन)	उपज क्षमता (क्विंटल/है.)
1	पी.बी.–1	1989	130–135	40–50
2	पूसा सुगन्धा–2	2001	120–125	50–55
3	पूसा सुगंधा–3	2001	120–125	55–60
4	पूसा सुगंधा–4	2003	140–145	40–45
5	पूसा सुगंधा–5	2005	120–125	55–60
6	पी.बी.–1460	2007	135–140	55–60
7	पूसा सुगंधा–6	2008	145–150	50–55
8	पूसा– 1509	2013	105–110	50–55
9	पूसा– 1637	2016	125–130	40–45
10	पूसा– 1728	2016	140–145	50–55
11	पूसा– 1718	2017	135–140	45–50

lpuk ik|kfxdh dk df"k e mi ;kx

1. भारत सरकार का किसान पोर्टल (http://farmer.gov.in)
2. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद बैवसाइट (www.icar.org.in)
3. कृषि विज्ञान केन्द्र पोर्टल (http://kvk.icar.gov.in)
4. के.वी.के., रायसेन बैवसाइट (http://kvkraisenzpdvii.org)
5. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (http://www.imd.gov.in)
6. आकाशवाणी व दूरदर्शन।
7. ,i& किसान सुबिधा, फसल बीमा, एग्री मार्केट आदि।
8. किसान कॉल सेन्टर (टोल फ्री) 1800–180–1551